Visit of KVs Students under PRAKRITI programme

[4-10-2019]

Dissemination of scientific knowledge specially, in the field of forests and environment management is a dire need of today. Forest Research Institute, Dehradun, a premier institute working in the field of forestry research, extension and education. The institute disseminates its scientific interventions to different stakeholders including students. The young children, as flag bearers of the future, need to be made joint partners to this endeavour by making them aware about various facets of forests and environment. In this connection, a Scientist Student Connect Programme known as PRAKRITI have been launched by Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE). Under this programme, 180 students of different Kendriya Vidyalayas of Uttarakhand State with their teachers visited different Museums, Bambusetum and Botanical Garden of the institute.

Dr. A. K. Pandey, Head, Extension Division welcomed students on behalf of Director, FRI and addressed the children and gave a brief account of history of the institute and its scientific interventions. He also talked about forests, forestry and environment management. In his address, a detailed account on Post Graduate courses being conducted in FRI Deemed to be University was also given. He said that children are future of the nation and they can play an important role in environment protection.

Team of Extension Division including Dr. Charan Singh, Dr. Devendra Kumar, Shri Rambir Singh and Shri Preet Pal Singh contributed for successful visit of KV students to FRI, Dehradun. The glimpses of the visit are as follows:

SUSTAINABLE FOREST
MANAGEMENT

SUSTAINABLE FOREST
MANAGEMENT

AMAR UJALA
5 OCTOBER,2019

वन अनुसंधान संस्थान में शैक्षिक भ्रमण के दौरान उपस्थित केंद्रीय विद्यालय के छात्र-छात्राएं। अमर उजाला

पर्यावरण संरक्षण में युवा पीढ़ी का योगदान अहम

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ओर से संचालित प्रकृति कार्यक्रम के तहत राज्य के कई केंद्रीय विद्यालयों के 180 छात्र-छात्राओं ने वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। इस दौरान जहां छात्र-छात्राओं को वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न संग्रहालयों, प्रभागों के साथ ही बांस वाटिका का भ्रमण कराया गया। वहीं संस्थान की ओर से किए जाने वैज्ञानिक शोधों व कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई। संस्थान की ऐतिहासिक इमारत को देखकर बच्चे गदगद नजर आए। बच्चों ने भ्रमण के दौरान इमारत के निर्माण से जुड़ी तमाम अहम जानकारियां ली। इस दौरान बच्चे कैमरों से तस्वीरें लेने के साथ ही मोबाइल फोन से सेल्फी भी ली। संस्थान के विस्तार विभाग के प्रमुख डॉ. अशोक कुमार पांडे ने छात्र-छात्राओं को संस्थान की तमाम वैज्ञानिक गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पांडे ने छात्र-छात्राओं से कहा कि देश के पर्यावरण संरक्षण में उनका अहम योगदान हैं। वे न सिर्फ पर्यावरण के प्रति जागरूक हों, वरन अपने अभिभावकों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करें। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देना हम सबकी जिम्मेदारी है।

DAINIK BHASKAR
5 OCTOBER,2019

वन अनुसंधान संस्थान में किया छात्रों ने शैक्षिक भ्रमण

- पर्यावरण संरक्षण एवं वनों में हो रहे शोध कार्यों के विषय में जाना

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के दल ने वन अनुसंधान संस्थान का शैक्षिक भ्रमण किया। जलवायु परिवर्तन की विभीषिका को ध्यान में रखते हुए आधुनिक युग में वैज्ञानिक अनुसंधानों, विशेषकर वन एवं पर्यावरण के क्षेत्र में किये गये शोध कार्यों की उपलब्धियों व परिणामों को आम जन तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। वन अनुसंधान संस्थान समय-समय पर वानिकी एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किये गये। अनुसंधान कार्यों को विभिन्न माध्यमों द्वारा लोगों तक पहुंचाता रहा है।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा प्रकृति नामक कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को संस्थान का भ्रमण कराया जाता है तथा वानिकी के क्षेत्र में हो रही वैज्ञानिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाती है, जिससे वे इस जानकारी को समाज में विस्तारित कर सकें। उत्तराखंड के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के लगभग 180 छात्रों एवं उनके अध्यापकों ने संस्थान का भ्रमण किया।

इस अवसर पर विस्तार प्रभाग के प्रमुख डॉ. अशोक कुमार पांडे ने छात्रों एवं अध्यापकों का स्वागत किया एवं संस्थान के इतिहास की जानकारी देते हुए संस्थान में हो रहे वैज्ञनिक कार्यों के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया।

शैक्षिक भ्रमण के दौरान मौजूद छात्र-छात्राएं।

छात्र-छात्राओं को किया प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। मानवधिकार एवं सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन जैन ने डाटा कंप्यूटर इंस्टीट्यूट में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र छात्राओं को जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत प्लास्टिक हटाओ धरती बचाओ, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और नशा मुक्ति पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति और प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन की प्रदेश अध्यक्षा मधु जैन ने कार्यशाला में मौजूद सभी छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति अभियान के तहत और प्लास्टिक के मुक्त दिलाने के लिए सभी को शपथ दिलाई।

GARH SAMVEDNA
5 OCTOBER,2019

केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों के दल ने किया वन अनुसंधान संस्थान शैक्षिक भ्रमण

देहरादून, गढ़ संवेदना संवाददाता। केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों के दल ने वन अनुसंधान संस्थान का शैक्षिक भ्रमण किया। जलवायु परिवर्तन की विभीषिका को ध्यान में रखते हुए आज के आधुनिक युग में वैज्ञानिक अनुसंधानों, विषेषकर वन एवं प्रर्यावरण के क्षेत्र में किये गये शोध कार्यों की उपलब्धियों/परिणामों को आम जन तक पहुँचाना अत्यंत आवश्कता हो गया है। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून समय–समय पर वानिकी एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किये गये अनुसंधान कार्यों को विभिन्न माध्यमों द्वारा लोगों तक पहुँचाता रहा है। इसी तारतम्य में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शक्षा परिषद द्वारा ''प्रकृति'' नामक कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय के छात्र/छात्राओं को संस्थान का भ्रमण कराया जाता है तथा वानिकी के क्षेत्र में हो रही वैज्ञानिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाती है जिससे कि वे इस जानकारी को समाज में विस्तारित कर सकें। आज दिनांक 04 अक्टूबर 2019 को उत्तराखण्ड़ राज्य के विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों के लगभग 180 छात्रों एवं उनके अध्यापकों ने संस्थान का भ्रमण किया। इस अवसर पर विस्तार प्रभाग के प्रमुख डा0 अषोक कुमार पाण्डेय ने छात्रों एवं अध्यापकों का स्वागत किया एवं संस्थान के इतिहास की जानकारी देते हुए संस्थान में हो रहे वैज्ञनिक कार्यों के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया।

उन्होनें अपने सम्बोधन में कहा कि बच्चे देष का भविष्य है तथा वन एवं पर्यावरण कि सुरक्षा में अपना अमूल्य योगदान दे सकते है। विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने संस्थान के विभिन्न संग्रहालयों यथा वन व्याधि, वन संवर्धन, वन उपज, वन कीट एवं अकाष्ठ वन उपज, बांस वाटिका एवं वनस्पति उद्यान का भ्रमण किया एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

THE HAWK
5 OCTOBER,2019

KV Students Visit To FRI, Under PRAKRITI Programme

Dehradun: Dissemination of scientific knowledge specially, in the field of forests and environment management is a dire need of today. Forest Research Institute, Dehradun, a premier institute working in the field of forestry research, extension and education. The institute disseminates its scientific interventions to different stakeholders including students. The young children, as flag bearers of the future, need to be made joint partners to this endeavour by making them aware about various facets of forests and environment. In this connection, a Scientist Student Connect Programme known as PRAKRITI have been launched by Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE). Under this programme, 180 students of different Kendrya Viyalayas of Uttarakhand State with their teachers visited different Museums, Bambusetum and Botanical Garden of the institute.

Dr. A. K. Pandey, Head, Extension Division welcomed students on behalf of Director, FRI and addressed the children and gave a brief account of history of the institute and its scientific interventions. He also talked about forests, forestry and environment management. He said that children are future of the nation and they can play an important role in environment protection.

I NEXT
5 OCTOBER,2019

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

विजिट

स्टेट के तमाम केवी के करीब 180 स्टूडेंट्स व टीचर्स ने फ्राइडे को एफआरआई का विजिट किया. इस दौरान एफआरआई के डा. अशोक कुमार पाण्डेय ने विजिटर्स टीम से एफआरआई की जानकारियां शेयर की. स्टूडेंट्स ने एफआरआई के म्यूजियम, बॉटनिकल गार्डेन सहित तमाम स्थलों का विजिट किया. विजिट को लेकर स्टूडेंट्स खासा उत्साहित नजर आए.